2023

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

32 पृष्ठ

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षा का विषय	विषय कोड	परीक्षा का माध्यम
Anatomy physiology & Health	6 2 0	Hindi

स्टीकर तीर के निशान ↓ से मिलाकर लगायें

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे →

क्रमांक **B-23** **5372022**

परीक्षार्थी का रोल नम्बर

अंकों में

-	2	3	5	4	3	2	2	2	2

शब्दों में

-	दो	तीन	पाँच	चार	तीन	दो	दो	दो	दो

नीचे दिये गये उदाहरण अनुसार रोल नम्बर भरें।

केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष एवं पर्यवेक्षक द्वारा भरा जावे →

प्रश्न पत्र का सेट: C

क :– परीक्षार्थी का कक्ष क्रमांक: 10

ख :– परीक्षा का दिनांक: 28 | 03 | 23

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

हायर सेकण्डरी परीक्षा   C. N. 541062

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर	केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर
Kuldeep Shilpkar	

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे →

प्रमाणित किया जाता है कि होलो क्राफ्ट स्टीकर क्षतिग्रस्त नहीं पाया गया तथा अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टी एवं अकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा लगाएं।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा	परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा
	Payal पायल सैनी शा.उत्कृष्ट V.No.

केवल परीक्षक द्वारा भरा जावे

प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों की प्रविष्टि करें।

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्तांक (अंकों में)
1		
2		
3		
4		
5		
6		
7		
8		
9		
10		
11		
12		
13		
14		
15		
16		
17		
18		
19		
20		
21		
22		
23		
24		
25		
26		
27		
28		

प्राप्तांक शब्दों में   कुल प्राप्तांक अंकों में

योग पूर्व पृष्ठ

कुल अंक

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. - 01

(i) 5

(i) मोच आने पर

(i) बढ़ती जनसंख्या

(ii) फाइब्रिनोजिन

(i) 5 से.मी

प्रश्न क्र. - 02

सत्य ।

असत्य ।

सत्य ।

सत्य ।

असत्य ।

असत्य ।

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. - 03.

(अ) दिल्ली ।

इरीथ्रोसाइट । (मैनिक रक्त कण)

~~इपिग्लोइटिस~~ इपिग्लोइटिस

मस्तिष्क ।

हाइड्रोफोबिया ।

1974

प्रश्न क्र. - 04.

I		II
बेसीलिस	-	छड़ के आकार के
इरीथ्रोसाइट	-	हीमोग्लोबिन
नारी जनन अंग	-	गर्भाशय
सायटान		तंत्रिका कोशिका

EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र

~~(ब)~~ मास्टर ग्रंथि - पीयूष

पूर्व किशोरावस्था - 12 से 17 वर्ष

प्रश्न क्र. - 05

पर्यावरण मे अनुकुल परिस्थितिया उत्पन्न होने को पर्यावरण अपकर्ष कहते है |

(ब) उ. ~~एन्टोनि~~ एण्टोनि वॉन लिवन हॉक ने ~~जि~~ जिवाणु की खोज कि थी |

मानव द्वारा जब वायुमण्डल से O_2 गैस ग्रहण कि जाती है और CO_2 गैस शरीर से बाहर निकालि जाती है यह क्रिया श्वसन क्रिया कहलाती है |

आँखो मे होने वाला एक प्रकार रोग होता है |

(5) योग पूर्व पृष्ठ   पृष्ठ 5 के अंक   कुल अक

MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION

प्र. क्र.

(5)
उ० = एक्वायर्ड इम्यूनो डिफिशिन्सी सिन्ड्रोम
Aquired Immuno Deficeny Sydrome.

प्रश्न क्र. - 06.

उत्तर =

उ० = बाल अपराधी वे बालक होते है, जिनका व्यवहार सामान्य सामाजिक व्यवहार से इतना भिन्न हो जाता है, की जिसे समाज विरोधि कहा जा सके. वे बालक बाल अपराधी कहलाते है।

प्रश्न क्र. - 07

उत्तर -

उ० = किशोरावस्था की कोई दो विशेषताएँ निम्नलिखित है -

1. किशोरावस्था के समय किशोरों और किशोरियों मे ~~मांसिक पर्वितन~~ और मानशिक परिवर्तन

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

शारीरिक ~~परिवर्तन~~ परिवर्तन के साथ - साथ संवेगिक परिवर्तन भी होता है।

4. किशोरावस्था मे बालक एवं बालिकाओ मे कुछ सकारात्मक परिवर्तन भी होते है. जैसे - इस समय वह स्वंय का ध्यान स्वंय रखना चाहते है अपना कार्य स्वंय करना चाहते है आदि।

प्रश्न क्र. - 08

(अथवा) उत्तर -

उ. - जीवाणुओ से होने वाले दो रोगो के नाम निम्नलिखित है -

	रोग		जीवाणुओ के नाम
1.	टायफायड	-	साल्मोनेला टाइफोसा
2.	तपेदिक	-	माईक्रो बेक्टिरीयम ट्यूबर क्लोसीस

P.T.O

कुल अंक

ST-16

प्रश्न क्र. - 9

उत्तर -

उ० = रक्त के कोई दो कार्य निम्नलिखित है -

1. रक्त द्वारा शरीर मे गैसो का परिवहन होता है।
2. रक्त हार्मोन्स के वाहक होते है।
3. रक्त के द्वारा शरीर का मे रक्षात्मक कार्य किए जाते है।
4. रक्त द्वारा शरीर मे अम्ल-क्षार का सन्तुलन बनाए रखते है।

प्रश्न क्र. - 10

उत्तर =

उ० = पुरुष जननांगो के नाम निम्नलिखित है -

1. वृषण,
2. वृषणकोश।

प्रश्न क्र.

शुक्राशय ,
3. शुक्रावाहिनि ,
4. शिशन ,
5. ग्रंथियां ,
6. शुक्राणु ।

प्रश्न क्र. - 11

उत्तर =

उ= गंध ज्ञान जुकाम मे नहीं होता क्योंकि जुकाम तथा सर्दी की अवस्था मे नासा ग्रन्थी मे सुजन आ जाता है जिसकी वजह से वह अन्दर की ओर दब जाती है इसलिए जुकाम की अवस्था मे गंधज्ञान नहीं हो पाता है ।

P.T.O

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. - 12

(अथवा) उत्तर -

उ०- टूर्नीकिट : यह एक प्राकार का यन्त्राण रज्जु है, जो रक्त स्राव को रोकने के लिए उपयोग मे लाया जाता है। ~~इसमे थोमसन~~ जैसे बाजार मे भी कई प्राकार के टूर्नीकिट उपलब्ध होते है, परन्तु ~~यह~~ आपातकालिन स्थिति मे भी रूमाल या धोति से ~~टूर्नीके~~ टूर्नीकिट बनाकर उपयोग मे लाया जाता है।

प्रश्न क्र. - 13

उत्तर -

उ०- पर्यावरण संकट का मुख्य कारण तो मानव ही है। तथा पर्यावरण संकट का अर्थ होता है, पर्यावरण मे एसी प्रतिकुल परिस्थितिया उत्पन्न हो गई है जिससे पर्यावरण मे रहने वाले सभी जिवधारीयो को वनसपति वर्ग को हानी हो रही है। पर्यावरण संकट मुख्य रूप देखा जा सकता है - जंगलो और वनो की कटाई।

प्रश्न क्र.

2. जल प्रदूषण के कारण पिने योग्य पानी का आभाव हो गया है।

वायु प्रदूषण के कारण पर्यावरण मे सॉस लेने योग्य ऑक्सीजन गैस का बहुत आभाव हो गया है।

तथा ऐसे ही कई प्रकार से पर्यावरण संकट की समस्याऍ बड़ती जा रही है जो की पृथ्वी तथा पृथ्वी पर रहने वाले सभी जिवधारियों के लिए बहुत ही हानिकारक है।

प्रश्न क्र. - 14

उ० = प्रमस्तिष्क के तीन कार्य निम्नलिखित है-

1. शरीर की सभी क्रियाओ पर प्रमस्तिष्क का नियन्त्रण रहता है।

2. शारिर की क्रियाओ मे समायोजन करवाता है।

3. जो व्यक्ति नशा करता है, उसके शरिर मे प्रमस्तिष्क पर बुरा प्रभाव पड़ता है, जिसके कारण वह व्यक्ति नशे मे लड़खड़ाता है।

योग पूर्व पृष्ठ ... पृष्ठ ... के अंक ... कुल अंक

MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION

न क.

प्रश्न क्र. - 15

उत्तर →

उ.- दूरदृष्टि दोष मे व्यक्ति को अपने आँखो के समीप रखी गई वस्तु को देखने मे कष्ट होता है तथा वह दूर रखी गई वस्तु को देख सकता है। इसमे रेटिना पर कुछ पित बिन्दु पहले ही केन्द्रीत हो जाता है।

दूरदृष्टि दोष के लक्षण, निम्नलिखित है -

1. इसमे वस्तु को देखने मे कष्ट होता है।
2. आँखो मे खुजली होती है।
3. सिर दर्द करने लगता है।

तथा दूरदृष्टि दोष को अवतल लेंस की सहायता से कम किया जा सकता है।

P.T.O

योग पूर्व पृष्ठ

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. - 16.

(अथवा)

उत्तर →

BS

:- जीवाणु कोशिका का नामांकित चित्र :-

प्रश्न क्र. - 17

(अथवा) उत्तर

उत्तर → अनुलोम विलोम प्राणायाम मे की करने से शरिर स्वस्थ रहता है. इसको स्वच्छ एवं हवादार स्थान पर प्रातः काल के समय मे करना चाहिए। सर्वप्रथम अपने दाये पैर को बाये पैर के ऊपर पालकी लगाकर कमर को सीधा तनकर ~~बैनान~~

प्रश्न क्र.

ठना है उसके पश्चात अपने दांया
थ नाक से समीप ले जाना है,
और पहले दाये नासा छिद्र से श्वास
लेना है, और फिर दाये नासा छिद्र
को बन्द कर बाये नासा छिद्र से सांस
छोड़ना है। यह क्रिया 15 से 20 तक
मिनट तक दोहरानी है। तथा जिस तरह
पहले दाये नासा छिद्र से श्वास ग्रहण किकी थी
उसी प्रकार फिर बामे नाशा छिद्र से
श्वास ग्रहण करना और दाये नाशा
छिद्र से छोड़ना है, यह क्रिया ऐसे
ही निरन्तर करते रहना है, तथा यही
क्रिया ही अनुलोम विलोम प्रणायाम
कहलाती है।
इसके कई लाभ भी है, अनुलोम
विलोम प्रतिदिन नियम अनुशार करने से
मे सांस सम्बन्धित नाक सम्बन्धित
ऐलर्जि तथा कोई बिमारी नही होती है
। और हमारे फेफड़े भी स्वस्थ
रहते है।

P.T.O

BSE

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्नक्र.

प्रश्न क्र. - 18

(अथवा)

उत्तर →

38 एड्स (AIDS) - यह बहुत ही घातक और खतरनाक रोग है इसका अन्त केवल जानलेवा मौत ही है। सर्वप्रथम एड्स (AIDS) रोग अफ्रीका मे पाये जाने वाले एक विशेष प्रकार की बन्दर की प्रजाति मे यह रोग पाया गया था। इसके बाद मनुष्यो मे सर्वप्रथम यह ~~अमेरीक~~ अमेरिका मे पाया गया था।

E S E

एड्स रोग के कारण -

एड्स रोग HIV नामक विषाणु द्वारा फैलता है इसका पुरा नाम Human Immuno Virous (ह्यूमन इम्यूनो वा बायरस) है।

1. एड्स रोग का मुख्य कारण असुरक्षित यौन सम्बन्ध रखने से है तथा असुरक्षित यौन सम्बन्ध AIDS का प्रमुख कारण।

2. एड्स से पिड़ित व्यक्ति यदि कसी व्यक्ति को रक्त दान करता है तो वह व्यक्ति भी एड्स से पिड़ित हो जाएगा।

योग पूर्व पृष्ठ पृष्ठ 15 के अंक

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

3. दूषित सुई एवं सिरिन्जो के उपयोग करने से यह रोग और फैलता है।
4. AIDS से पिड़ित माँ का अपने बच्चे को स्तनपान करवाने से यह हो सकता है।

AIDS रोग के उपचार —

वर्तमान समय मे Science ने बहुत तरक्की कर ली है तथा वैज्ञानिको के प्रयासो से अब AIDS का इलाज सम्भव है।

BSE

1. सर्वप्रथम लोगो मे AIDS के प्रति जागरूकता फैलानी चाहिए।
2. एक से अधिक स्त्री या पुरूष से यौन सम्बन्ध नही रखना चाहिए।
3. चार्ट, पोस्टर आदि के द्वारा लोगो को इसके बारे मे बताना तथा समझाना चाहिए।
4. केशोर एवं किशोरियो को AIDS के बारे मे बताकर जागरूकता फैलानी चाहिए। तथा स्कूलो मे सेमिनार और लेकचर्स लेना चाहिए।

योग पूर्व पृष्ठ   पृष्ठ 16 के अंक   कुल अंक

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. - 19

(अथवा) उत्तर =>

उत्तर => रक्त वाहिनियां का मुख्य कार्य शरीर मे रक्त को बाहाकर लाने ले जाने का कार्य करती है।
तथा रक्त वाहिनियाँ ~~मुख्त~~ मुख्यतः तीन प्रकार की होति है -

1. धमनी (Autorys)
2. शिरा (Veins)
3. केशिकाए (Capulris)

B S E

धमनी (Autory) - धमनीयो मे शुद्ध रक्त बहता है तथा इनका रंग लाल और हलका गुलाबि होता है। धमनी मे रक्त झटके से बहता है, तथा इसकी दिवारे मोटि और लचीलि होती है। धमनीयो मे रक्त हृदय से बाहर लाया जाता है। धमनीया शरिर की गहराईयो मे पाई जाती है और इसमे कपाट का आभाव रहता है।

P.T.O

MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL

प्र क्र.

2 शिरा (Veins) — शिराओ मे अशुद्ध रक्त बहता है तथा इनका रंग हल्का निला होता है. यह शरीर की ऊपरी गहराइयो मे नही पाई जाती है तनिक ऊपर पाई जाती है. शिराओ मे रक्त रफ्तार से बहता है, तथा इसमे रक्त को हृदय मे लाया जाता है जिसके लिए इसमे कपाट भी पाए रहते है। इनकी दिवारे पतलि तथा कम लचिलि होती है।

3 केशिकाए (capulires) — यह बहुत ही पतलि और महिन होती है, और बहुत इनका आकार धमनी और शिरा के अपेक्षा बहुत छोटा होता है, इनकी शखाए मिलकर एक जाल सा बना लेति है, जो पुरे शरीर मे होता है इनकी दिवारे इतनि महिन होती है की इनसे रक्त भर कर बाहार आ जाता है।

P.T.O

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. - 20

(अथवा) उत्तर ⇒

0 - किसी भी दुर्घटना के समय मे डॉक्टर से आने की पूर्व किए जाने वाली चिकित्सा, प्राथमिक चिकित्सा कहलाती है, जिससे पिड़ित व्यक्ति को कुछ आराम मिल सके तथा यह ~~प्राथ~~ प्राथमिक चिकित्सा जिस भी व्यक्ति द्वारा दी जाती है उसे प्राथमिक चिकित्सक कहते है।

प्राथमिक चिकित्सक के कुछ मुख्य कर्तव्य होते है. जो निम्नलिखित है-

1 प्राथमिक चिकित्सक का प्रथम कर्तव्य यह है, कि उसे कैसी भी परिस्थिति मे पिड़ित की जान बचाना है।

2 प्राथमिक चिकित्सक का कर्तव्य यह भी है की उसे इस बात ध्यान रखना है की पिड़ित को और अधिक पिड़ा और समस्या न हो।

3. प्राथमिक चिकित्सक को परिस्थिति पर काबु पाना और पिड़ित को सान्त्वना प्रदान करना आना चाहिए, क्योंकि दुर्घटना के समय मे पिड़ित घबराई हुई

हालत मे रहता है, तो हो सकता है पिड़ित प्राथमिक चिकित्सा मे प्राथमिक चिकित्सक का सहयोग न करे तथा इस बात क ध्यान रखना चाहिए।

4. प्राथमिक चिकित्सक को कम साधनो मे भी प्राथमिक चिकित्स करने का प्रयत्न प्राप्त करना चाहिए। ताकी वह पिड़ित की जान बचा सके।

प्रश्न 5

5. प्राथमिक चिकित्सक का कर्तव्य है कि वह स्वयं भी सहनशील हो क्योकि कभी कभी परिस्थित ऐसी होती है कि प्राथमिक चिकित्सक की सहनशीलता जवाब देने लगती है तथा वह स्वयं भी सहनशील होना चाहिए।

6. पिड़ित व्यक्ति का उपचार करने के बाद उसे डॉक्टर के पास ले जाकर और परिस्थिति को देखते हुए पिड़ित को अस्पताल मे भर्ति करना चाहिए।